



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3]
No. 3]

नई दिल्ली, बुधवार, जनवरी 1, 1986/पौष 11, 1907
NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 1, 1986/PAUSA 11, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1986

अधिसूचनाएं

संख्या 2/1986-सीमा शुल्क

सा. का. नि. 3 (अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, आयात-निर्यात पास बुक स्कीम के अनुसार एक या अधिक निर्यात आदेश मद्धे भारत के बाहर निर्यात के लिये उत्पादों (जिन्हें इसमें इसके पश्चात अंतिम उत्पाद कहा गया है) के विनिर्माण के प्रयोजन के लिये सीधे ही या निर्मोचन आदेश के माध्यम से भारत में आयात किये जाने पर माल को, उस पर उदग्रहणीय समस्त सीमा-शुल्क से, जो सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, और उक्त सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 के अधीन उस पर उदग्रहणीय समस्त अतिरिक्त उत्पाद शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अर्थात् —

(क) आयातकर्ता को उक्त स्कीम के अधीन आवश्यक आयात-निर्यात पास बुक (जिसमें आयात अनुज्ञप्ति सम्मिलित है) या उक्त पास

बुक और निर्मोचन आदेश जो उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित माल के आयात या निर्मोचन के लिए है, दे दिया गया है;

(ख) उक्त आयातित माल, जहां तक उसका मूल्य और वर्णन (तक-नीकी विशेषताओं सहित, यदि कोई हैं) का संबंध है उक्त आयात-निर्यात पास बुक में सम्मिलित आयात अनुज्ञप्ति या अनुज्ञप्ति के संलग्नकों में विनिर्दिष्ट है या उनके अंतर्गत आता है या उक्त आयातित माल निर्मोचन आदेश में विनिर्दिष्ट है या उसके अंतर्गत आता है ;

(ग) आयातकर्ता उक्त आयातित माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष उक्त आयात-निर्यात पास बुक और, यदि आवश्यक है तो, निर्मोचन आदेश भी, प्रस्तुत करता है, और आयातकर्ता—

- (i) सीमा-शुल्क कलक्टर के समक्ष ऐसी छूट के लिए लिखित में दावा करता है;
- (ii) सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर के समक्ष यह साक्ष्य प्रस्तुत करता है कि उक्त स्कीम के अधीन अपेक्षित बैंक प्रत्याभूति के साथ बंधपत्र या विधिक करार उसने निष्पादित कर दिया है; और
- (iii) ऐसे प्रारूप में और उतनी रकम के लिए जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, स्वयं को आबद्ध करते हुए यह घोषणा करता है कि वह उक्त ऐसे आयातित माल की बाबत, जिसके संबंध में सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर का यह समाधान नहीं हो जाता कि उसका प्रयोग उपर्युक्त प्रयोजन के लिए किया गया है, उतने शुल्क के समतुल्य रकम का, मांग

किए जाने पर, स्वयंसेवा को इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के तहत की दृष्टि में ऐसी व्यवस्था मान पर उद्घाटित किया जाता

(घ) उक्त आयातित माल भीमा-शुल्क से निफासी के पश्चात् अर्थात् किये जाने के लिए अन्वय उत्पादों के विनिर्माण के कारखाने को सीधे ले जाया जाता है और आयातकर्ता द्वारा विनिर्माता के रूप में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन रखे जाने के लिए अर्जित अभिलेखों में सम्यक् रूप से तुरन्त दर्ज किया जाता है विवाद तब जब आयातकर्ता को ऐसे अभिलेख रखने में छूट दी गई हो;

(ङ) उक्त आयात-निर्यात पास बुक में विनिर्दिष्ट अन्वय उत्पाद पास बुक में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर, या ऐसी बटाई गई अवधि के भीतर जो आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक के कार्यालय के नियम अयुक्त द्वारा अनुज्ञात की जाए, भारत के बाहर निर्यात किये जाते हैं;

(च) उक्त आयातित माल का प्रयोग इस प्रतिबन्धना में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा,

(छ) उक्त आयातित माल या उसका कोई भाग विक्रय नहीं किया जाएगा या किसी अन्य व्यक्ति को स्वयंसेवा अन्वयित नहीं किया जाएगा या आयात और निर्यात मुख्य नियंत्रक की विभिन्न पूर्व अनुज्ञा के बिना किसी अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग में नहीं लाया जाएगा या उपयोग में लाने की अनुज्ञा नहीं दी जाएगी या निर्यात नहीं किया जाएगा; और

(ज) उक्त माल का आयात केवल बाड़ा या कलकत्ता या मुम्बई या कोचीन या मद्रास या विशाखापटनम के सीमा-शुल्क पत्तन से होकर या केवल कलकत्ता या मुम्बई या दिल्ली या मद्रास या बंगलूर के सीमा-शुल्क विमान पत्तन से होकर या केवल नगरियों के प्रगति मैदान स्थित या बंगलूर स्थित बंगलूर छात्रागृहों में रखे गए अर्थात् अन्वय कंटेनर डिपो से होकर किया जाएगा तथा अन्वय उत्पादों का भारत के बाहर निर्यात केवल उक्त सीमा-शुल्क पत्तनों, सीमा-शुल्क विमान पत्तनों या अन्वय कंटेनर डिपो में होकर किया जावेगा।

टिप्पण — इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, —

- (i) 'सरणीयत अधिस्तरण' का अर्थ है जो आयात और निर्यात नीति अधिनियम, 1985 — मार्च 1988 में है;
- (ii) 'माल' से अन्वय उत्पादों और उनके पैकियों के विनिर्माण के लिए अर्जित कच्ची सामग्री (जैसे खपने वाली या अन्य) की प्रकृति का या संयंत्रों या मशीनों उत्पादों की प्रकृति का माल अभिप्रेत है,
- (iii) आयात-निर्यात पास बुक स्कीम से प्राप्त निर्यात नीति अधिनियम 1985- मार्च 1988 अध्याय XV में अंतर्विष्ट आयात-निर्यात पास बुक स्कीम अभिप्रेत है,
- (iv) 'आयातकर्ता' के अर्थान्त निर्माण आदेश का धारक भी है;
- (v) 'अनुज्ञापन अधिकारी' से आयात और निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के अधीन बनाए गये आयात (नियंत्रण) अधिनियम 1955 के अधीन अनुज्ञापन मजूर करने के लिए मजबूर परिश्रम अभिप्रेत है; और
- (vi) 'निर्माण आदेश' से मजबूर मजदूर अधिनियम में आयात-निर्यात पास बुक स्कीम में अर्जित अनुज्ञापन अधिकारी द्वारा दिया गया निर्माण आदेश अभिप्रेत है।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 1st January, 1986

NOTIFICATIONS

NO. 2/1986-CUSTOMS

G.S.R. 3(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods when imported into India either directly or obtained again, a Release Order for the purpose of manufacture of products (hereinafter referred to as the end products) for export out of India against one or more export orders in accordance with the Import Export Pass Book Scheme, from the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely:—

(a) that the importer has been issued necessary Import-Export Pass Book (incorporating Import Licence) under the said Scheme or both the said Pass Book and Release Order for the import or, as the case may be, release of the goods required for the aforesaid purpose;

(b) that the said imported goods are specified in and covered by the Import Licence or the enclosures to the Licence, incorporated in the said Import-Export Pass Book or, as the case may be, the said imported goods are specified in and covered by the Release Order, in respect of their value and description (including technical characteristics, if any);

(c) that the importer at the time of the clearance of the said imported goods produces before the Assistant Collector of Customs the said Import-Export Pass Book and, if necessary, also the Release Order, and the importer—

- (i) makes a claim in writing, to the Collector of Customs for such exemption; and
- (ii) produces evidence to the Assistant Collector of Customs that the Bond with Bank Guarantee or, as the case may be, legal agreement has been executed by him as required under the said Scheme; and
- (iii) makes a declaration in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs binding himself to pay on demand in respect of such of the said imported goods as are not proved to, the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, an amount equal to the duty which would have been levied on such imported goods but for the exemption contained herein;

(d) that the said imported goods, after clearance by Customs, are taken direct to the factory of manufacture of the end products to be exported and are duly and immediately entered into the records required to be maintained by the importer as the manufacturer under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and the rules made thereunder, unless he is exempted from the maintenance of such records ;

(e) that the end products, as specified in the said Import-Export Pass Book, are exported out of India within the period specified in the Pass Book or within such extended period as the Export Commissioner in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports allow ;

(f) that the said imported goods shall be used for the purpose specified in this notification ;

(g) that the said imported goods or any portion thereof shall not be sold or otherwise transferred to any other person or utilised or permitted to be utilised or disposed of for any other purpose without the previous permission, in writing, of the Chief Controller of Imports and Exports ; and

(h) that the said goods shall be imported only through the Customs port of Kandla or Calcutta or Bombay or Cochin or Madras or Vishakhapatnam or only through the Customs airport of Calcutta or Bombay or Delhi or Madras or Bangalore or only through the inland container depot of Pragati Maidan at New Delhi or Bangalore Cantonment Railway Station at Bangalore and the end products shall be exported out of India only through any of the said Customs ports, Customs airports or inland container depots.

Explanation—For the purposes of this notification,—

- (i) “canalising agency” shall have the same meaning as in the Import & Export Policy April 1985—March, 1988 ;
- (ii) “goods” means goods which are in the nature of raw materials (whether consumables or not) or in nature of components or intermediate products required for the manufacture of end products and their packings ;
- (iii) “Import-Export Pass Book Scheme” means the Import-Export Pass Book Scheme contained in Chapter XV of the Import-Export Policy April 1985—March 1988 ;
- (iv) “holder” includes holder of a Release Order ;

(v) “Licensing Authority” means an authority competent to grant a licence under the imports (Control) Order, 1955 made under the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947); and

(vi) “Release Order” means a Release Order issued by the Licensing Authority under the Import-Export Pass Book Scheme on the concerned canalising agency.

[F. No. 605/11/85-DBK]

सं. 3/1986-सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 4 (अ) :- केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1985 (1985 का 32) की धारा 43 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 158/85-सीमा-शुल्क तारीख 24 मई, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :-

उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में क्रम सं. 251 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं. और प्रविष्टि अंतः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :-

“252 सं. 2/86-सीमा-शुल्क तारीख 1 जनवरी, 1986”।

[फा० सं० 605/11/85- डी बी के]

एस० के० राय, उप सचिव

टिप्पण :- यह अधिसूचना, अधिसूचना सं. 2/86-सीमा-शुल्क, तारीख 1 जनवरी, 1986 के अंतर्गत आने वाले सब माल को उस पर उद्ब्रह्मणीय सहायक सीमा-शुल्क से छूट देने के लिए आशयित है।

No. 3/1986-CUSTOMS

G.S.R. 4(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 43 of the Finance Act, 1985 (32 of 1985), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 158/85-customs dated the 24th May, 1985, namely :—

In the Schedule annexed to the said notification, after Serial No. 251 and the entry relating thereto, the following Serial No. and entry shall be inserted, namely :—

“252 No. 2/86-Customs, dated the 1st January, 1986”.

[F. No. 605/11/85-DBK]

S. K. ROY, Dy. Secy.

NOTE :—This seeks to exempt all goods covered by Notification No. 2/86-Customs dated the 1st January, 1986 from the auxiliary duty of customs leviable thereon.

